नई सरकार में घट गया शिंदे का कद

न मिला सीएम पद और न ही हाथ आया गृह विभाग

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार

मुंबई, 22 दिसंबर - महाराष्ट्र की नई फडणवीस सरकार में पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का कद काफी घट गया है. सीएम फडणवीस भले ही शिंदे को हमेशा अपने बराबर दिखाने की कोशिश करते रहे हों, लेकिन पहले मुख्यमंत्री पद से हाथ धोने और अब गृह विभाग न मिलने से साफ हो गया है कि नई सरकार के गठन में एकनाथ शिंदे की बहुत नहीं चली है. साल 2022 में उद्धव ठाकरे से बगावत करके बीजेपी के समर्थन से मुख्यमंत्री बने एकनाथ शिंदे इस पद पर हालिया विधानसभा चुनाव से पहले तक थे, लेकिन चुनाव में बीजेपी के सबसे बड़े दल बनने की वजह से देवेंद्र फडणवीस को एक बार फिर से सीएम बनाया गया.

काफी समय तक नाराज रहे शिंदे : महाराष्ट्र चुनाव में बीजेपी को भले ही सबसे ज्यादा 132 सीटें आई हों, लेकिन इसके बाद भी शिंदे अपनी योजनाओं की बदौलत ही महायुति सरकार की वापसी होने का दावा करते रहे. शिवसेना के नेता महायुति सरकार के वापस आने के पीछे शिंदे द्वारा लाई गई लाडली बहना योजना को जिम्मेदार बताते हैं. इसी के चलते शिवसेना लगातार शिंदे को ही दोबारा सीएम बनाए जाने की मांग करती रही. हालांकि, जब बीजेपी अपना मुख्यमंत्री बनाने को लेकर अड़ गई तो शिंदे के नाराज होने की अटकलें लगीं. वह अचानक अपने गांव चले गए और लंबा समय वहां बिताया. हालांकि, फिर धीरे-धीरे चीजें ठीक हुईं और शिंदे को डिप्टी सीएम पद से संतोष करना पड़ा. ऐसे में उम्मीद जताई जा रही थी कि शिंदे की शिवसेना को गृह विभाग देकर बीजेपी उनकी नाराजगी को दूर कर सकती है, लेकिन जब शनिवार को विभागों का बंटवारा हुआ तो उसमें भी शिंदे को झटका लगा.

नई सरकार में घट गया शिंदे का कद : साल 2022 में जब महाराष्ट्र में उद्धव सरकार गिरकर महायुति ने सरकार बनाई थी, तब एकनाथ शिंदे गठबंधन का महत्वपूर्ण हिस्सा थे. शिवसेना में टूट की वजह से ही राज्य में महायुति की सरकार की वापसी हो पाई थी. उस समय बीजेपी के सबसे बड़े दल होने के बाद भी पार्टी ने एकनाथ शिंदे को सीएम बनाया था. लेकिन इस चुनाव के बाद शिंदे का कद काफी घट गया. इसके पीछे की वजह बीजेपी के अकेले दम पर बहुमत के करीब सीटें जीतना है.

भाजपा ने इस बार 132 सीटों पर जीत हासिल की है, जबकि शिवसेना को 57 और अजित पवार की एनसीपी को 41 सीटें मिली हैं. पिछली सरकार में अजित पवार महायुति सरकार में बाद में जुड़े थे, लेकिन इस बार वे शुरूआत से ही गठबंधन का हिस्सा थे. बीजेपी और एनसीपी को मिलाकर भी आराम से पांच साल तक सरकार चलाई जा सकती थी. दोनों दलों की सीटें बहुमत के आंकड़े से काफी ज्यादा थीं. ऐसे में शिवसेना के पास तोल-मोल की ज्यादा ताकत नहीं बची, जिसकी वजह से शिंदे को न तो सीएम पद मिला और न ही गृह विभाग हाथ आया.

बीजेपी ने अपने पास ही रखा 'होम'

किसी भी सरकार में गृह विभाग काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. यह सबसे ताकतवर विभागों में होता है, क्योंकि राज्य की पुलिस इसी विभाग को रिपोर्ट करती है. सीएम पद नहीं मिलने के बाद शिंदे ने इसी विभाग पर अपना दावा ठोक दिया था, जिसको लेकर कई दौर की बैठकें भी हुईं. महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक बैठकों का दौर चला, लेकिन शिवसेना को गृह विभाग नहीं मिल सका. सूत्रों के अनुसार, शिंदे गुट का कहना था कि चूंकि पिछली महायुति सरकार में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे थे और गृह विभाग डिप्टी सीएम रहे फडणवीस के पास थे, ऐसे में इसी फॉमूर्ले के तहत यह विभाग इस बार डिप्टी सीएम बने शिंदे को दिया जाना चाहिए. लेकिन बीजेपी ने यह बात भी शिंदे की नहीं मानी और शक्तिशाली गृह विभाग को अपने पास ही रखा.

विचार

जज के खिलाफ 'अपमानजनक' पोस्ट पर केस

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार

कोच्चि, 22 दिसंबर - केरल हाईकोर्ट के एक जज को निशाना बनाकर सोशल मीडिया पर 'अपमानजनक' पोस्ट करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है. पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी. दरअसल, न्यायमूर्ति देवन रामचंद्रन ने हाईकोर्ट के निर्देशानुसार सार्वजनिक स्थानों पर अवैध फ्लेक्स बोर्ड, झंडे हटाने में विफल रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया है. इसके बाद अधिकारियों द्वारा जज के खिलाफ 'अपमानजनक' टिप्पणियां सामने आईं.

पंजाब नगर निकाय चुनाव के नतीजे घोषित

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार

चंडीगढ़, 22 दिसंबर - पंजाब में पांच नगर निगमों, 44 नगर परिषदों और नगर पंचायतों के चुनावों के लिए शनिवार को नतीजे घोषित किए गए. कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान शनिवार सुबह सात बजे से शुरू हुआ और शाम चार बजे संपन्न हो गया. दोपहर तीन बजे तक औसत मतदान 55 प्रतिशत रहा. जिन पांच नगर निगमों के लिए चुनाव हुए उनमें अमृतसर, जालंधर, लुधियाना, पटियाला और फगवाड़ा शामिल हैं.

शादी का रिश्ता साथ निभाने से बनता है

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार

नई दिल्ली, 22 दिसंबर - सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शादी एक ऐसा रिश्ता है जो आपसी विश्वास, एक-दूसरे का साथ निभाने और साझा अनुभवों पर बनता है. अदालत ने अलग-अलग रह रहे अभियंता दंपति को विवाह विच्छेद की अनुमति देने के मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए यह टिप्पणी की. कोर्ट ने कहा कि दोनों में तल्खी स्पष्ट करती है कि विवाह बचाना संभव नहीं है.

कुत्तों की लड़ाई पर सट्टा लगाने में 81 गिरफ्तार

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार

जयपुर, 22 दिसंबर - राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में कुत्तों की लड़ाई पर सट्टा लगाने के आरोप में 81 लोगों को गिरफ्तार किया है. एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी. हनुमानगढ़ के एसपी अरशद अली ने बताया कि शुक्रवार देर रात एक फार्म हाउस पर छापेमारी की गई और 81 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 15 वाहन जब्त किए गए.

'ट्रांसजेंडर को 0.5 अंतरिम आरक्षण दें'

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार

बेंगलुरू, 22 दिसंबर - कर्नाटक हाईकोर्ट ने नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) को निर्देश दिया कि वह दाखिले में ट्रांसजेंडर (तृतीय लिंग) को 0.5 प्रतिशत अंतरिम आरक्षण दे. अदालत ने कहा कि जब तक विश्वविद्यालय ऐसे आवेदकों के लिए आरक्षण को लेकर कोई नीति नहीं बना लेता, तब तक फीस में छूट दी जाए.

आदेश की समीक्षा याचिका खारिज

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार

नई दिल्ली, 22 दिसंबर - सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के मंत्री वी. सेंथिल बालाजी को कैश-फॉर-जॉब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत देने के आदेश की समीक्षा की मांग वाली याचिका खारिज कर दी. जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने समीक्षा याचिका पर खुली सुनवाई करने की प्रार्थना को भी खारिज कर दिया. पीठ ने 17 दिसंबर को पारित अपने आदेश में कहा कि समीक्षा याचिका की मौखिक सुनवाई की मांग करने वाली अर्जी खारिज की जाती है.

गढ़चिरौली अगला स्टील सिटी बनेगा

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार

नागपुर, 22 दिसंबर - महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि, गढ़चिरौली जिला अगले तीन साल में नक्सल मुक्त हो जाएगा. साथ ही दावा किया कि गढ़चिरौली शहर को भारत का स्टील सिटी बनांगे. विधानसभा में एक चर्चा के दौरान फडणवीस ने राज्य भर में कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और किसान-केंद्रित पहलों को सूचीबद्ध किया.

केंद्र ने कहा था- बूथ के फुटेज सार्वजनिक नहीं होंगे

खड़गे बोले, चुनाव नियम बदलना सोची-समझी साजिश

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार

नई दिल्ली, 22 दिसंबर - वोटिंग नियमों में बदलाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार ने चुनाव आयोग (ईसी) की स्वतंत्रता पर हमला किया है.रविवार सुबह एक्स पर पोस्ट में उन्होंने कहा- पहले मोदी सरकार ने सीजेआई को चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने वाले पैनल से हटा दिया था और अब वे चुनावी जानकारी को जनता से छिपाना चाह रहे हैं.

यह सरकार की सोची-समझी साजिश है.जब भी कांग्रेस ने इलेक्शन कमीशन को वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने और ईवीएम में ट्रांसपेरेंसी के बारे में लिखा, तो ईसी ने अपमानजनक लहजे में जवाब दिया और हमारी शिकायतों को भी स्वीकार नहीं किया.दरअसल, केंद्र सरकार ने 20 दिसंबर को पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स को पब्लिक करने से रोकने के लिए चुनाव नियमों में बदलाव किया था.

अधिकारियों ने बताया कि एआई के इस्तेमाल से पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ करके फेक नैरेटिव फैलाया जा सकता है. बदलाव के बाद भी ये कैंडिडेट्स के लिए उपलब्ध रहेंगे. अन्य लोग इसे लेने के लिए कोर्ट जा सकते हैं.

सरकार का व्यवहार कौरवों की तरह : पटोले

बोले- मलाईदार विभाग के लिए लड़ाई

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार

नागपुर, 22 दिसंबर - महाराष्ट्र में मंत्रियों के विभागों के बंटवारे पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता नाना पटोले ने महायुति सरकार पर निशाना साधा है. कांग्रेस नेता ने कहा कि यह सरकार कौरवों की तरह व्यवहार कर रही है. ये लोग आपस में ही लड़कर खत्म होने वाले हैं. यह लड़ाई मलाईदार जिले और मलाईदार विभाग के लिए चल रही है. उन्हें लोगों के सवालों से कोई लेना-देना नहीं है. पटोले ने कहा है कि अभी तक पालक मंत्री पद के लिए भी उनके बीच लड़ाई होने वाली है.पटोले ने आगे कहा कि इस सरकार में हिम्मत है तो मार्कडवाडी में बैलेट के जरिए मॉक पोलिंग कराए. यह सरकार जनता का वोट चुराकर सत्ता में आई है. चुनाव आयोग की ओर से जारी अधिसूचना से ऐसा लग रहा है कि दाल में कुछ काला है.

बावनकुले के बयान पर किया पलटवार : इस बीच मंत्री चन्द्रशेखर बावनकुले ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना की. इस आलोचना का जवाब पटोले ने भी दिया है. उन्होंने कहा कि इनके लिए नौटंकी और हिटलरवाद दो शब्दों का प्रयोग किया जाना चाहिए. लोकतंत्र में तानाशाही का प्रयोग नहीं होता है.जब लोग सड़कों पर आते हैं तो तलाशी अभियान चलाया जाता है और केस दर्ज किए जाते हैं. बीजेपी ऐसी पार्टी है जो लोकतंत्र में विश्वास नहीं करती. उन्होंने आगे कहा कि बावनकुले के भाषण से यह तस्वीर सामने आती है कि हम लोगों पर लाठीचार्ज करेंगे, गोली मारेंगे और गुलाम बना लेंगे.

परभणी हिंसा और बीड़ सरपंच हत्या को लेकर पवार चिंतित

महाराष्ट्र में शीतकालीन सत्र के दौरान परभणी हिंसा के मुद्दे ने जोर पकड़ा था. इस दौरान देवेंद्र फडणवीस से मामले में जवाब देने के लिए कहा गया था, जिस पर जांच कर उन्होंने सत्र के दौरान इस मामले को लेकर विपक्ष को उत्तर दिया था. इस मामले को लेकर शरद पवार ने चिंता जताई.राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने बीड में सरपंच की हत्या और परभणी में हिंसा के बाद एक व्यक्ति की मौत से जुड़ी घटनाओं पर रविवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से फोन पर बात की.

आने वाले बजट में घाटा ज्यादा होगा : वहीं, बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए पटोले ने कहा कि पिछली बार अजित पवार ने 20 हजार करोड़ का बजट पेश किया था. आने वाले बजट में घाटा ज्यादा होगा और इसका बोझ महाराष्ट्र की जनता पर पड़ेगा और महंगाई बढ़ेगी. चुनाव आयोग की कृपा से ये बहुमत में आये हैं. वे जनता की कृपा से नहीं आए हैं. पटोले ने कहा कि इस सरकार को बताना चाहिए कि वो महंगाई और किसानों के लिए क्या करने जा रही है. इस सरकार को किसी से कोई लेना-देना नहीं है.

अल्लू अर्जुन के घर तोड़फोड़:आरोपी उस्मानिया यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट

भगदड़ में मरने वाली महिला के परिवार को 1 करोड़ देने की मांग

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार

हैदराबाद, 22 दिसंबर - एक्टर अल्लू अर्जुन के हैदराबाद स्थित घर के बाहर उस्मानिया यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स ने तोड़फोड़ की है. इस मामले में पुलिस ने 8 लोगों की गिरफ्तारी की है.ये लोग एक्टर के घर में जबरन घुसने की कोशिश कर रहे थे. जब उन्हें रोका गया तो घर के बाहर रखे गमले तोड़ दिए. रिपोर्ट्स में अल्लू अर्जुन के घर टमाटर फेंके जाने की बात भी कही गई है.स्टूडेंट्स ने पुष्पा-2 के प्रीमियर के दौरान संध्या थिएटर में मची भगदड़ में मारी गई महिला के परिवार को 1 करोड़ रुपए का मुआवजा देने की मांग की.इस घटना के कुछ समय पहले ही अल्लू अर्जुन ने पोस्ट किया था- मैं अपने सभी फैंस से अपील करता हूं कि वे हमेशा की तरह जिम्मेदारी से अपनी भावनाएं व्यक्त करें. ऑनलाइन और ऑफलाइन किसी भी प्रकार की अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल न करें, ना ही किसी से गलत व्यवहार करें.एक्टर पहले ही मृतक रेवती के परिवार को 25 लाख रुपए देने की बात कह चुके हैं. साथ ही घायलों का इलाज भी अपने खर्च पर करा रहे हैं.

ई-मेल से इस महीने 3 बार स्कूलों को मिलीं धमकियां

परीक्षा टालने भाई-बहन ने दी थी बम की धमकी

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार

नई दिल्ली, 22 दिसंबर - दिल्ली के 3 स्कूलों में बम की धमकी वहां पढ़ने वाले दो छात्रों ने ही दी थी. दोनों भाई-बहन थे. दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने रविवार को इस बात की जानकारी दी.पुलिस ने बताया कि काउंसिलिंग के दौरान छात्रों ने माना कि उन्होंने ई-मेल के जरिए 3 स्कूलों को बम की धमकी भेजी थी. वे चाहते थे कि एग्जाम टाल दिए जाएं. उन्होंने पहले की घटनाओं से धमकी भेजने का आइडिया मिला था.पुलिस को छात्रों ने बताया कि उन्होंने एग्जाम की तैयारी नहीं की थी. ऐसे में वे एग्जाम को टालना चाहते थे. पुलिस ने बताया कि दोनों छात्र थे, इसलिए काउंसिलिंग के बाद उन्हें छोड़ दिया गया.17 दिसंबर को रोहिणी और पश्चिम विहार स्थित 3 स्कूलों में बम होने की धमकी भेजी गई थी. इसमें 72 घंटों के भीतर 85 लाख रुपए

भेजने की बात कही गई थी. लिखा था कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो बम ब्लास्ट कर दिया जाएगा.

8 महीने में 50 बम की धमकियां : दिल्ली में इस साल मई से लेकर अब तक 50 बम की धमकियां भेजी गई हैं. इसमें सिर्फ स्कूल ही नहीं अस्पताल, एयरपोर्ट और एयरलाइन कंपनियां भी शामिल हैं. इस महीने 4 बार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी जा चुकी है.

'वह पाकिस्तान के राष्ट्रपिता थे'

महात्मा गांधी को लेकर सिंगर अभिजीत के बिगड़े बोल

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार

मुंबई , 22 दिसंबर - बॉलीवुड के मशहूर गायक अभिजीत भट्टाचार्य अपनी मशहूर गानों को लेकर जाने जाते हैं. शाहरुख की आवाज के नाम से लोकप्रिय अभिजीत अपने गानों के अलावा विवादों को भी खड़ा करने में माहिर हैं. अब अभिनेता ने एक ऐसा बयान दे दिया है, जिसकी वजह से अब वह सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल हो रहे हैं. दरअसल, अभिजीत ने इस बार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को लेकर एक कंट्रोवर्शियल बयान दे दिया है.

फिर विवादों में फंसे गायक : हाल ही में, शुभांकर मिश्रा के साथ एक पॉडकास्ट में अभिजीत ने महात्मा गांधी पर टिप्पणी कर लोगों की रडार पर आ गए हैं. गायक ने इस इंटरव्यू में कहा कि संगीतकार आरडी बर्मन महात्मा गांधी से बड़े थे. जैसे महात्मा गांधी राष्ट्रपिता थे, वैसे ही आरडी बर्मन संगीत की दुनिया में राष्ट्रपिता थे. बात यही नहीं रुकी. इसके आगे सिंगर ने महात्मा गांधी को लेकर एक बड़ा और विवादित बयान दे दिया है. अभिजीत ने कहा, महात्मा गांधी पाकिस्तान के राष्ट्रपिता थे, भारत के नहीं. भारत पहले से ही अस्तित्व में था, पाकिस्तान बाद में भारत से अलग हुआ. गांधी को गलती से भारत का राष्ट्रपिता कहा गया है. पाकिस्तान के अस्तित्व के पीछे वही जिम्मेदार थे.

सोशल मीडिया पर हुए ट्रोल : अब सोशल मीडिया पर अभिजीत के इस बयान को लेकर बहस छिड़ गई है. कई लोगों का कहना है कि यह भारत है, इसलिए कुर्सी पर बैठ कर लोग कुछ भी बोल सकते हैं. एक यूजर ने लिखा, 'आप यह फैसला करने वाले कौन होते हैं कि वह भारत के राष्ट्रपिता थे या नहीं.'

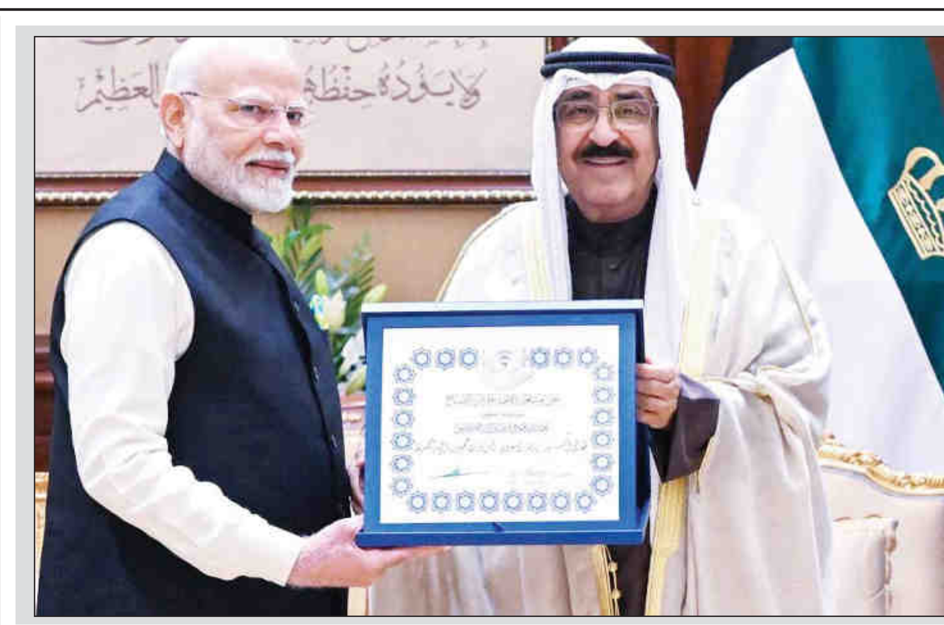

मोदी को मिला कुवैत का सर्वोच्च सम्मान, 'द ऑर्डर ऑफ मुबारक द ग्रेट'

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार

कुवैत सिटी, 22 दिसंबर - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कुवैत के अमीर शेख मशाल अल-अहमद अल-जाबेर अल-सबाह ने कुवैत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ मुबारक द ग्रेट' से सम्मानित किया है. यह सम्मान उन्हें कुवैत और भारत के बीच रिश्तों को मजबूत करने में उनके योगदान के लिए प्रदान किया गया है. आपको बता दें कि 43 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने कुवैत का दौरा किया है. इसी दौरान उन्हें यह सम्मान दिया गया है.इस सम्मान की शुरूआत 16 जुलाई 1974 को कुवैत की सरकार के द्वारा मुबारक अल-सबा की स्मृति में की गई थी. उन्हें 1896 से 1915 तक कुवैत का शेख कहा जाता था. उन्होंने 1897 में कुवैत के पक्ष में ओटोमन साम्राज्य से स्वतंत्रता की मान्यता प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की थी.

इंजन में मिलेगी सिग्नल की जानकारी

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार

नई दिल्ली, 22 दिसंबर - रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार सुबह एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर ट्रेनों में लगाई जाने वाली कवच प्रणाली की कार्य पद्धति पर प्रकाश डाला. इंजन में बैठे चालक को आगे के सिग्नल की पूरी जानकारी इसके सामने लगी स्क्रीन पर मिलेगी. वीडियो के माध्यम से रेल मंत्री ने दावा किया कि इस प्रणाली से लैस इंजनों के चालकों को घने कोहरे में सिग्नल देखने के लिए बाहर नहीं झांकना पड़ेगा.

घर में लगी आग, दम घुटने से परिवार के चार लोगों की मौत

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार

देवास, 22 दिसंबर - मध्य प्रदेश के देवास जिले में घर में आग लगने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई. मृतकों में दो नाबालिग बच्चे भी शामिल हैं हादसा शनिवार तड़के नयापुरा इलाके में हुआ. पुलिस ने बताया कि इस मकान में डेयरी भी चल रही थी . नाहर दरवाजा थाने के एक अधिकारी बताया कि पुलिस को एक डेयरी में आग लगने की सूचना मिली थी और उसी मकान में एक परिवार भी रहता था. हादसे में दम घुटने से एक दंपती और उसके दो बच्चों की मौत हो गई.

'एक ही थाली के चट्टे-बट्टे...'

बाबा साहेब को लेकर भाजपा-कांग्रेस पर भड़की मायावती

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार

लखनऊ , 22 दिसंबर - संसद के शीतकालीन सत्र में बाबा साहेब यानि की भीमराव आंबेडकर को लेकर की गई अमित शाह की टिप्पणी से सियासी संग्राम जारी है. कांग्रेस-समाजवादी पार्टी (सपा) समेत तमाम राजनीतिक दल केंद्रीय गृह मंत्री को घेरने की कोशिश कर रहे हैं. अब मामले को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती की प्रतिक्रिया सामने आई है. उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस पर निशाना साधा.

मायावती ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर का नाम लेकर उनके अनुयायियों के वोट के स्वार्थ की राजनीति करने में कांग्रेस और भाजपा एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं. उन्होंने रविवार को कहा, कि अमित शाह द्वारा संसद में किए अनादर को लेकर देश भर में लोगों में आक्रोश है. लेकिन, कांग्रेस का इसको लेकर उतावलापन विशुद्ध छलावा और स्वार्थ की राजनीति है.

स्वार्थ की राजनीति कर रही पार्टियां : बसपा मुखिया ने ये सब सोशल मीडिया प्लटेफॉर्म एक्स पर एक के बाद एक कई पोस्ट कर कहा परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का अमित शाह द्वारा संसद में किए अनादर को लेकर देशभर में लोगों में भारी आक्रोश है. लेकिन, उनकी उपेक्षा व देशहित में उनके संघर्ष को हमेशा आघात पहुंचाने वाली कांग्रेस पार्टी का इसको लेकर उतावलापन विशुद्ध छलावा व स्वार्थ की राजनीति है.

रचा जा रहा है षड़यंत्र : दूसरे पोस्ट में मायावती ने लिखा, बाबा साहेब का नाम लेकर उनके अनुयायियों के वोट के स्वार्थ की राजनीति करने में कांग्रेस और भाजपा आदि पार्टियां एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं. ये बाबा साहेब के आत्म-सम्मान के कारवां को आगे बढ़ने से रोकने के लिए सभी पार्टियां बीएसपी को आघात पहुंचाने के षड्यंत्र में लगी रहती हैं.

मायावती ने अखिलेश को भी घेरा : आखिरी पोस्ट में बसपा मुखिया ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा, वास्तव में बाबा साहेब सहित बहुजन समाज में जन्मे महान संतों, गुरुओं, महापुरुषों को भरपूर आदर-सम्मान केवल बीएसपी की सरकार में ही मिल पाया, जो इन जातिवादी पार्टियों को हजम नहीं. खासकर सपा ने तो द्वेष के तहत नए जिले, नई संस्थाओं और जनहित योजनाओं आदि के नाम भी बदल डाले.

दिल्ली से यूपी और महाराष्ट्र तक बदल जाएगी कांग्रेस और बीजेपी

2025 में दोनों ही पार्टियों में होंगे बड़े बदलाव

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार

नई दिल्ली, 22 दिसंबर - 2025 देश की राजनीति खासकर कांग्रेस और बीजेपी के लिए काफी अहम रहने वाला है. इस साल दोनों पार्टियों के संगठन में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे. बीजेपी में जहां राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत कई बड़े पदों पर नई नियुक्तियां होगी, वहीं ओल्ड ग्रैंड पार्टी कांग्रेस में भी ऊपर से नीचे तक बदलाव प्रस्तावित हैं.कहा जा रहा है कि दोनों पार्टियों में 2025 के बदलाव के बाद लोकसभा चुनाव 2029 तक कोई भी बड़ा फेरबदल नहीं होगा. यही वजह है कि 2025 में होने वाले इन बदलावों को काफी अहम माना जा रहा है.

झारखंड के विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद राज्य के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने इस्तीफा दे दिया है. पार्टी अब उनका उत्तराधिकारी खोज रही है. इसी तरह महाराष्ट्र में जीत के बाद प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले मंत्री बन गए हैं. एक पोस्ट, एक व्यक्ति फॉमूर्ला की वजह से अब यहां भी पार्टी किसी दूसरे व्यक्ति को अध्यक्ष नियुक्त करेगी.इसी तरह मुंबई प्रदेश अध्यक्ष आशीष शेलार भी फडणवीस कैबिनेट में शामिल हो गए हैं. शेलार का उत्तराधिकारी भी पार्टी 2025 में ही घोषित करेगी. गुजरात बीजेपी के अध्यक्ष सीआर पाटिल भी केंद्र में मंत्री हैं. 2025 में पाटिल के उत्तराधिकारी का ऐलान भी बीजेपी कर सकती है.यही स्थिति पश्चिम बंगाल की है. बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष शांतनु ठाकुर केंद्र सरकार में मंत्री हैं. ठाकुर के भी उत्तराधिकारी 2025 में नियुक्त किए जाने की बात कही जा रही है.देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में भी बीजेपी नए अध्यक्ष का चुनाव करेगी. यहां के निवर्तमान अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी लोकसभा में हार के बाद ही अपने पद छोड़ने की पेशकश कर चुके हैं.

कांग्रेस में भी बड़े बदलाव की आहट : 2022 के आखिर में मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे, लेकिन तब से अब तक कांग्रेस संगठन के शीर्ष पदों पर बड़े बदलाव नहीं हुए हैं. 2024 में हार के बाद से ही संगठन के कई महामंत्रियों के बदले जाने की बात कही जा रही है. मुख्य संगठन के साथ कांग्रेस के कई फ्रंटल संगठन में भी बदलाव की सुगबुगाहट है. इसके अलावा कई राज्यों में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बदले जाने हैं. इनमें केरल, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र प्रमुख है. केरल में 2026 में विधानसभा के चुनाव होने हैं. हरियाणा और महाराष्ट्र में करारी हार के बाद दोनों राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. दोनों ही राज्यों में ने अध्यक्ष की नियुक्ति होनी है. इसी तरह ओडिशा और उत्तर प्रदेश में पूरी कांग्रेस की इकाई भंग हो चुकी है.दोनों ही राज्यों में पार्टी नए अध्यक्ष की नियुक्ति करेगी. राजस्थान के वर्तमान अध्यक्ष गोविंद डोटासरा का कार्यकाल भी 2025 में पूरा हो जाएगा. यहां भी नए अध्यक्ष की नियुक्ति हो सकती है.

एलजी बोले- दिल्ली में फ्री बिजली नहीं

शहर की गंदगी का वीडियो शेयर किया

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार

नई दिल्ली, 22 दिसंबर - दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने रविवार को वीडियो शेयर करके सरकार की फ्री बिजली योजना पर सवाल उठाए. साथ ही शहर की गंदगी और बदइंतजामी की ओर भी इशारा किया. वीडियो में एलजी दक्षिणी दिल्ली के इलाके में लोगों से बातचीत करते दिख रहे हैं.वीडियों में लोग कह रहे हैं कि हम 10-15 हजार रुपए बिल भर रहे हैं. इस पर एलजी कहते हैं कि यहां तो बताया जाता है कि फ्री बिजली है. जवाब में लोग कहते हैं- कोई फ्री बिजली नहीं है. किसी का बिल 5-10 हजार रुपए से कम नहीं आता है.